DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 February, 2024

भारत का मातृ मृत्यु अनुपात (MMR)

संदर्भ: *संयुक्त राष्ट्र MMEIG द्वारा 2020 की प्रकाशित एक रिपोर्ट "मातृ मृत्यु दर वर्ष 2000 से वर्ष 2020 में रुझान" के अनुसार, भारत का मातृ मृत्यु अनुपात (MMR) वर्ष 2000 में 384 से घटकर वर्ष 2020 में 103 हो गया है।*

➢ **मातृ मृत्यु अनुपात (MMR) में गिरावट:**

- भारत की मातृ मृत्यु अनुपात में वर्ष 2000 से वर्ष 2020 तक 6.36% की कमी आई है, जो वैश्विक इसके कमी से तीन गुना अधिक है।
- भारत का मातृ मृत्यु अनुपात वर्ष 2000 में 384 से घटकर वर्ष 2020 में 103 हो गया, जबकि इसी अवधि के दौरान वैश्विक मातृ मृत्यु अनुपात 339 से घटकर केवल 223 हो सका।
- मातृ मृत्यु अनुपात में भारत की औसत वार्षिक कमी दर (ARR) 6.36% थी, जो वर्ष 2000 से वर्ष 2020 तक के वैश्विक मातृ मृत्यु अनुपात 2.07% से अधिक है।

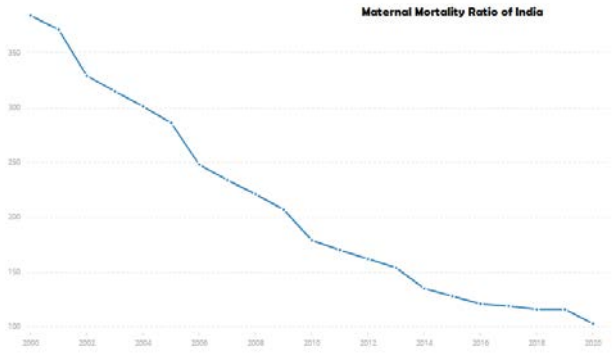

➢ **मातृ मृत्यु और मृत जन्म से निपटने के लिए सरकारी पहल:**

- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का लक्ष्य सभी गर्भवती महिलाओं को उनकी दूसरी/तीसरी तिमाही में महीने के हर 9वें दिन निश्चित रूप से, मुफ्त और व्यापक प्रसवपूर्व देखभाल प्रदान करना है।
- एक विस्तारित PMSMA रणनीति वित्तीय प्रोत्साहन और मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (ASHA) द्वारा अतिरिक्त निरीक्षण करके, विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले गर्भधारण के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल सुनिश्चित करती है।

➢ **सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (SUMAN):** यह पहल सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए, निःशुल्क और सम्मानजनक स्वास्थ्य देखभाल तथा सेवा से इन्कार के प्रति शून्य सहनशीलता सुनिश्चित करती है।

➢ **जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (JSSK):** गर्भवती महिलाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त परिवहन, निदान, दवाओं और अन्य आवश्यक चीजों के साथ सीजेरियन सेक्शन सहित मुफ्त प्रसव का अधिकार देता है।

➢ **लक्ष्य कार्यक्रम:** वर्ष 2011 में लॉन्च किया गया लक्ष्य कार्यक्रम, लेबर रूम और प्रसूति ऑपरेशन थिएटरों में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार पर केंद्रित है।

➢ **मासिक ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (VHSND):** एकीकृत बाल विकास सेवाओं (ICDS) के साथ मिलकर आंगनवाड़ी केंद्रों पर मातृ एवं शिशु देखभाल सेवाएं प्रदान करता है।

➢ **ग्रामीण क्षेत्रों में आउटरीच शिविर:** इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाकर और उच्च जोखिम वाले गर्भधारण पर नज़र रखकर, विशेष रूप से आदिवासी और दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार करना है।

➢ **स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (HWC):** यह केंद्र हाशिए पर मौजूद आबादी तक पहुंचने और गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए उपचार अनुपालन और अनुवर्ती देखभाल का समर्थन करने के लिए समय-समय पर शिविर आयोजित करते हैं।

➢ **MCP कार्ड और सुरक्षित मातृत्व पुस्तिका वितरण:** यह गर्भवती महिलाओं को आहार, आराम, गर्भावस्था के जोखिमों के संकेत, लाभ योजनाओं और संस्थागत प्रसव के बारे में शिक्षित करता है।

➢ **सूचना शिक्षा और संचार (ICC), अंतर-वैयक्तिक संचार (IPC) और व्यवहार परिवर्तन संचार (BCC):** यह अभियान मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की मांग पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

➢ **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित योजनाएं:**

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY):** यह योजना सुरक्षित प्रसव, मजदूरी हानि मुआवजा और पहले जीवित बच्चे के लिए टीकाकरण के लिए सहायता प्रदान करती है।
- **मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0:** इसके माध्यम से स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा पर जोर देते हुए गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पूरक पोषण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

➢ **मातृ मृत्यु अनुपात (MMR) और मृत जन्म दर डेटा:**

- वर्ष 2014-16 से वर्ष 2018-20 तक MMR डेटा भारत के मातृ मृत्यु अनुपात में लगातार गिरावट का संकेत देता है। इस संबंध में विभिन्न राज्यों से मृत जन्म दर के आंकड़े पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग रुझान दिखाते हैं, जो पूरे भारत में मृत जन्म दर में क्षेत्रीय असमानताओं को दर्शाते हैं।

हाइपरवेलोसिटी विस्तार सुरंग परीक्षण सुविधा

संदर्भ: *आईआईटी कानपुर ने देश की पहली हाइपर वेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट सुविधा विकसित की है, तथा उसका सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।*

➢ **इसरो और डीआरडीओ की विभिन्न परियोजनाओं में उपयोग:**

- इस सुविधा का उपयोग गगनयान, आरएलवी, इसरो और डीआरडीओ के विभिन्न अनुसंधानों जैसी परियोजनाओं में किया जाएगा।
- वर्तमान में, दुनिया भर में केवल कुछ ही देशों के पास ऐसी सुविधा है।

➢ **भारत की पहली हाइपरवेलोसिटी विस्तार सुरंग सुविधा:**

- जिगरथंडा (एस-2) के नाम से जानी जाने वाली 24 मीटर लंबी सुरंग भारत की पहली हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल सुविधा है।
- इसे आईआईटी कानपुर में एसोसिएट प्रोफेसर इब्राहिम सुगरनो और उनकी टीम द्वारा डिजाइन किया गया था।
- इसे एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग की हाइपरसोनिक एक्सपेरिमेंटल एयरोडायनामिक्स लैब में स्थापित किया गया है।

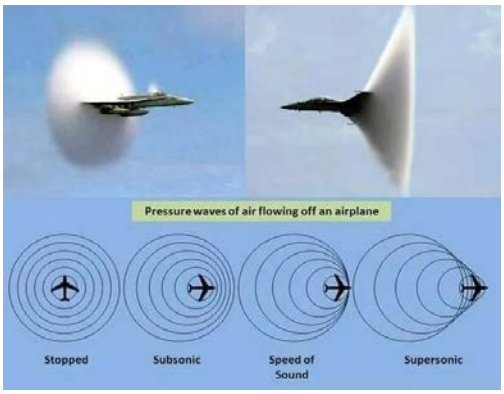

➢ **सहयोगात्मक प्रयास:**

- इसे वैमानिकी अनुसंधान और विकास बोर्ड (ARDB), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DsT), और आईआईटी की सहायता से विकसित किया गया है।
- इसका स्वदेशी डिजाइन तैयार करने में तीन वर्ष का समय लगा है।

➢ **महत्व:**

- यह टनल उच्च गति की परिस्थितियों में हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों और रॉकेट लॉन्चर वाहनों के परीक्षण की सुविधा प्रदान करेगी।
- इसकी सहायता से हाइपरवेलोसिटी अनुसंधान के लिए नए मानक स्थापित करने और अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्रों में भारत की क्षमताओं में तेजी लाने की उम्मीद है।

➢ **परीक्षण सुरंग में वायुमंडलीय स्थितियाँ:**

- जिगरथंडा या एस-2 के निर्माण में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- इसमें एक 'फ्री पिस्टन ड्राइवर' प्रणाली है जो 20-35 ATM के वायुमंडलीय दबाव में 150-200 मीटर प्रति सेकंड की गति से फायर करने में सक्षम है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 February, 2024

- **हाइपरसोनिक स्थितियों का अध्ययन:**
  - यह स्थितियां रॉकेट लॉन्चर वाहनों के वायुमंडलीय प्रवेश, क्षुद्रग्रह प्रवेश, स्क्रैमजेट उड़ानों और बैलिस्टिक मिसाइलों के दौरान आने वाली हाइपरसोनिक स्थितियों के अध्ययन को सक्षम बनाता है।
  - इस सुरंग में 3 से 10 किमी प्रति सेकंड के बीच उड़ान की गति हासिल की जा सकती है।
  - इस परीक्षण में हाइपरसोनिक गति पर विमान या मिसाइलों के व्यवहार और उनके संबंधित डिजाइन की प्रतिक्रियाओं का आकलन किया जा सकेगा।

CAR-T सेल थेरेपी का उपयोग करके पहला सफल उपचार

संदर्भ: *हाल ही में सीएआर-टी सेल थेरेपी का उपयोग करके पहले रोगी को कैंसर कोशिकाओं से मुक्त घोषित किया गया है।*

- **सीएआर-टी सेल थेरेपी को मंजूरी:** भारत के फार्मास्यूटिकल्स प्राधिकरण ने व्यावसायिक उपयोग के लिए सीएआर-टी सेल थेरेपी को मंजूरी दे दी है, जिससे कैंसर रोगियों को उपचार का एक नया विकल्प मिलेगा।
- **CAR-T थेरेपी तक पहुंच:**
  - अंतरराष्ट्रीय तुलना में काफी कम कीमत चुकाकर मरीजों को टाटा मेमोरियल अस्पताल में सीएआर-टी थेरेपी की सुविधा उपलब्ध है।
  - इस थेरेपी के सामर्थ्य ने रोगियों को वैसे इलाज को संभव कराने की अनुमति दी जो पहले आर्थिक रूप से पहुंच से बाहर था।
- **सीएआर-टी सेल तंत्र:**
  - सीएआर-टी थेरेपी में विशिष्ट कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करते हुए, शक्तिशाली कैंसर सेनानी बनने के लिए रोगी की टी-कोशिकाओं को आनुवंशिक रूप से पुन: प्रोग्राम करना शामिल है।
- **प्रारंभिक सफलता और छूट:**
  - सीएआर-टी थेरेपी के प्रारंभिक परिणामों ने आशाजनक परिणाम दिखाए, उपचार के बाद रोगियों को कैंसर से राहत भी मिली।
  - डॉक्टरों ने थेरेपी की प्रभावकारिता और सफलता दर की पुष्टि के लिए दीर्घकालिक आंकड़ों के महत्व को भी उजागर किया।
- **NexCAR19 विकास:** NexCAR19, भारतीय संस्थानों द्वारा सहयोगात्मक रूप से विकसित एक स्वदेशी CAR-T थेरेपी है। इस थेरेपी को व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी मिल चुकी है और यह भारत में कैंसर के उपचार हेतु सराहनीय है।
- **व्यावसायिक उपलब्धता:**
  - B-सेल कैंसर वाले रोगियों को भारत भर के नामित अस्पतालों में सीएआर-टी थेरेपी तक पहुंच प्राप्त हुई है, जिससे देश भर में कैंसर रोगियों के लिए उपचार के विकल्पों का विस्तार हुआ है।
- **थेरेपी प्रक्रिया:**
  - सीएआर-टी थेरेपी में काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर्स (सीएआर) को व्यक्त करने के लिए रोगी की टी-कोशिकाओं को एकत्र कर उसे संशोधित करना शामिल है, जिससे कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ लक्षित इम्यूनोथेरेपी सक्षम हो जाती है।
- **नैदानिक अध्ययन और प्रगति:** भारतीय शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स द्वारा किए जा रहे द्वितीय चरण के बहुकेंद्रीय सीएआर-टी सेल थेरेपी अध्ययन; देश में कैंसर उपचार में प्रगति को रेखांकित करते हैं।

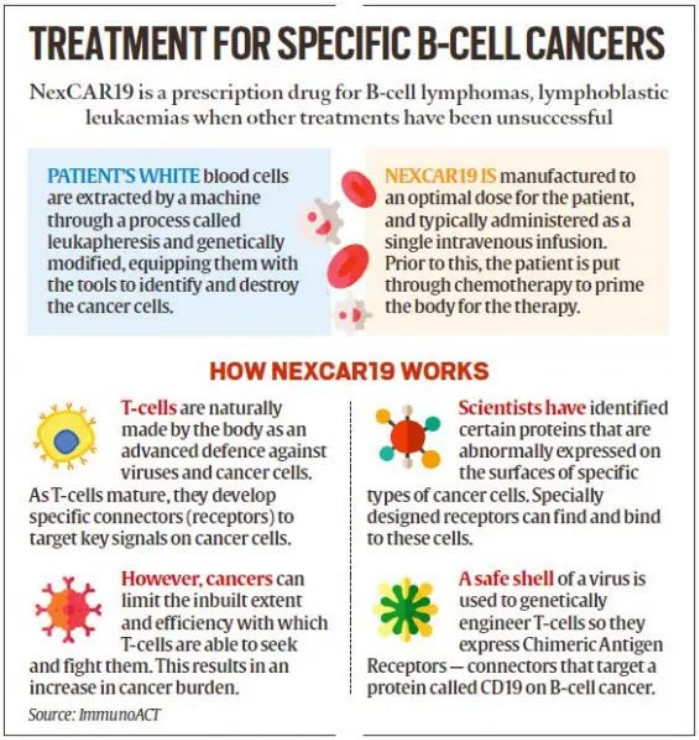

NEWS IN BETWEEN THE LINES

दीपस्तम्भम्

हाल ही में, तेलंगाना के नलगोंडा जिले के मुदिमानिक्यम गांव में 390 साल पुराना दीपस्तम्भम् (लैंप पोस्ट) को खोजा गया है।

दीपस्तम्भम् के बारे में:

- दीपस्तम्भम् एक स्तंभ है जो 20 फीट लंबा है जिसमें लैंप के लिए खोखले स्थान और एक बहुभाषी शिलालेख है।
- यह दक्कन में दुर्लभ है लेकिन गोवा जैसे पश्चिमी तट के मंदिरों में आम है।
- ऐसा पाया गया है कि शिलालेख जून 1635 का है, जो तमिल के साथ तेलुगु मिश्रित भाषा में लिखा गया है तथा काशी विश्वनाथ को समर्पित है।
- संभवतः अपनी ऊंचाई के कारण यह नदी व्यापार मार्ग पर प्रकाशस्तंभ के रूप में काम करता होगा।
- यह शिलालेख कुतुब शाही शासकों द्वारा शासित क्षेत्र में पाया गया था और टैवर्नियर जैसे यूरोपीय यात्रियों, जिन्होंने पांच बार हैदराबाद साम्राज्य का दौरा किया था ने उसी अवधि के दौरान भूमि व्यापार मार्गों का वर्णन किया था।

पक्के टाइगर रिजर्व

हाल ही में पक्के टाइगर रिजर्व में स्थित भालू पुनर्वास और संरक्षण केंद्र (सीबीआरसी) ने अपनी स्थापना के बाद से कुल 60 भालू शावकों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया है।

पक्के टाइगर रिजर्व के बारे में:

- एशियाई भालुओं के लिए भारत की एकमात्र पुनर्वास सुविधा अरुणाचल प्रदेश के पक्के-केसांग जिले में पक्के टाइगर रिजर्व में स्थित है।
- पक्के टाइगर रिजर्व, जिसे पाखुई टाइगर रिजर्व के नाम से भी जाना जाता है एक संरक्षित क्षेत्र है।
- 2001 में रिजर्व का नाम बदलकर पाखुई वन्यजीव अभयारण्य कर दिया गया और 2002 में यह बाघ रिजर्व बन गया।
- इसने अपने हॉर्नबिल नेस्ट एडॉप्शन प्रोग्राम के लिए 'संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण' की श्रेणी में भारत जैव विविधता पुरस्कार 2016 जीता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- यह अभ्यारण्य पश्चिम और उत्तर में कामेंग नदी और पूर्व में पक्के नदी से घिरा है।
- **वनस्पति:** पक्के टाइगर रिज़र्व में साल, सागौन, बांस, ताड़ आदि सहित विविध वनस्पतियाँ पाई जाती हैं।
- **जीव-जंतु:** यह रिज़र्व लुप्तप्राय कछुए, हॉर्नबिल, बंगाल टाइगर, तेंदुए, एशियाई हाथी, एशियाई भालू आदि का घर है।

भालू पुनर्वास और संरक्षण केंद्र

- भालू पुनर्वास और संरक्षण केंद्र (सीबीआरसी) राज्य के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग और भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (डब्ल्यूटीआई) की एक संयुक्त पहल है।
- 2001 में स्थापित, इसे देश की एकमात्र एशियाई भालू पुनर्वास सुविधा होने का गौरव प्राप्त है।
- 2022- 2023 तक, चार भालू शावकों का पुनर्वास किया गया लेकिन दुर्भाग्य से इस अवधि के दौरान एक शावक की मृत्यु हो गई।
- सीबीआरसी ने राज्य में विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों को भी बचाया, 2023 में 23 बचाव मामले दर्ज किए।

विश्व वन्यजीवन कोष

वन्यजीव संरक्षण संगठन विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) ने रोमानियाई सरकार से इसकी प्राकृतिक प्रगति की रक्षा और सामुदायिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महमूदिया आर्द्रभूमि को 'राष्ट्रीय हित पारिस्थितिक बहाली क्षेत्र' के रूप में वर्गीकृत करने का आग्रह किया है।

विश्व वन्यजीव कोष के बारे में:

- वर्ल्ड-वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है जो प्रकृति और उसकी प्रजातियों के संरक्षण के लिए काम करता है।
- यह दुनिया का सबसे बड़ा संरक्षण संगठन है जिसके दुनिया भर में पांच मिलियन से अधिक समर्थक हैं।
- इसकी स्थापना 1961 में हुई थी और इसका मुख्यालय ग्लैंड, स्विट्जरलैंड में है।
- इसका मिशन प्रकृति का संरक्षण करना और पृथ्वी पर जीवन की विविधता के लिए सबसे गंभीर खतरों को कम करना है।

हिमालयन ग्रिफ़ॉन

हाल ही में, वायनाड वन्यजीव अभयारण्य से पहली बार त्रि-राज्य सिंक्रोनाइज्ड गिद्ध सर्वेक्षण के दौरान हिमालयन ग्रिफ़ॉन गिद्धों की विशेष उपस्थिति दर्ज की गई।

हिमालयन ग्रिफ़ॉन के बारे में:

- हिमालयन ग्रिफ़ॉन गिद्ध (जिप्स हिमालयेंसिस), एक सच्चा शिकारी पक्षी है और एशिया में पुरानी दुनिया के सबसे बड़े गिद्धों में से एक है।
- यह एक्सीपिट्रिडे परिवार का सदस्य है जिसमें चील, पतंग, बज़र्ड और बाज़ भी शामिल हैं।
- यह हिमालय और तिब्बती पठार का मूल निवासी है।
- इसे IUCN रेड लिस्ट में खतरे के निकट के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

वायनाड वन्यजीव अभयारण्य:

- वायनाड वन्यजीव अभयारण्य 1973 में स्थापित किया गया था और यह केरल के वायनाड जिले में स्थित है।
- अभयारण्य नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व (यूनेस्को-निर्दिष्ट क्षेत्र) और हाथी रिजर्व का एक घटक है।
- काबिनी नदी, कावेरी नदी की एक सहायक नदी अभयारण्य से होकर बहती है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व

आचार्य श्रील प्रभुपाद

आज भारत के प्रधानमंत्री नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में श्रील प्रभुपाद जी की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

आचार्य श्रील प्रभुपाद (1 सितंबर 1896 - 14 नवंबर 1977)

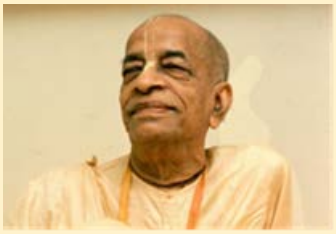

- श्रील प्रभुपाद, जिन्हें अभय चरणारविंद भक्तिवेदांत स्वामी के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय आध्यात्मिक शिक्षक और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन, 1966 में स्थापित) के संस्थापक थे, जिन्हें आमतौर पर "हरे कृष्ण आंदोलन" के रूप में जाना जाता है।

योगदान:

- आचार्य श्रील प्रभुपाद गौड़ीय मिशन के संस्थापक थे जिन्होंने वैष्णव आस्था के मूलभूत सिद्धांतों के संरक्षण और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- गौड़ीय मिशन ने श्री चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाओं और वैष्णववाद की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत को दुनिया भर में प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- श्रील प्रभुपाद ने छह महाद्वीपों पर 108 मंदिरों की स्थापना की और अपने भक्तों को शिक्षित करने के लिए 12 बार दुनिया की यात्रा की।
- प्रभुपाद ने 70 - 81 वर्ष की आयु तक 28 भाषाओं में 51 पुस्तकें लिखीं, अनुवादित और प्रकाशित कीं।

सम्मान:

- प्रधान मंत्री द्वारा महान आध्यात्मिक गुरु श्रील प्रभुपाद जी के सम्मान में एक स्मारक टिकट और एक सिक्का जारी किया जाएगा।
- **नैतिक मूल्य:** प्रेम, विनम्रता, सत्यनिष्ठा, ईश्वर के प्रति समर्पण आदि के सिद्धांत।

सुर्खियों में स्थल

सूरीनाम

हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि स्वास्थ्य, आयुर्वेद, डिजिटल प्रौद्योगिकी, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भारत और सूरीनाम के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग की काफी संभावनाएं हैं।

सूरीनाम (राजधानी: पारामारिबो)

अवस्थिति : सूरीनाम, जिसे आधिकारिक तौर पर सूरीनाम गणराज्य के रूप में जाना जाता है, दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित है। यह दक्षिण अमेरिका का सबसे छोटा संप्रभु राज्य भी है।

भौगोलिक सीमाएँ: सूरीनाम की सीमा फ्रेंच गुयाना (पूर्व), गुयाना (पश्चिम), अटलांटिक महासागर (उत्तर) और ब्राज़ील (दक्षिण) से लगती है।

भौतिक विशेषताऐं:

- जूलियानाटॉप देश का सबसे ऊँचा पर्वत है।
- सूरीनाम, मैरोनी और कूरेंटाइन देश की प्रमुख नदियाँ हैं।
- सूरीनाम की जलवायु बहुत गर्म और आर्द्र उष्णकटिबंधीय है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 में सजा का क्या प्रावधान है ? **- विधेयक में धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए न्यूनतम तीन से पांच साल की कैद की सजा का प्रस्ताव है और धोखाधड़ी के संगठित अपराधों में शामिल लोगों को पांच से 10 साल की कैद और न्यूनतम 1 करोड़ रुपये का जुर्माना देना होगा।**
- कौन सी पहल केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/उपक्रमों द्वारा महिलाओं के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से कम से कम 3% वार्षिक खरीद को अनिवार्य करती है? **- सार्वजनिक खरीद नीति (2018)**
- यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (POCSO), 2012 के संदर्भ में, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक दोषी व्यक्ति की 20 साल की सजा को माफ करने के लिए किस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया? **- अनुच्छेद 142**
- ग्रेप्स-3 (गामा रे एस्ट्रोनॉमी पीईवी एनर्जी चरण-3) कहाँ स्थित है? **- ऊटी, तमिलनाडु**
- एजुकेशनल कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (EdCIL) की स्थापना कब हुई थी? **- जून 17, 1981**